माध्यमिक अंग्रेज़ी

निर्माणात्मक मूल्यांकन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल–आधारित अनुसमर्थन के द्वारा अध्यापक शिक्षा) का उद्देश्य छात्र–केंद्रित, सहभागी संकल्पना के विकास के लिए शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OERs½ के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण पद्धति में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त–अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in/)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: . यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

*TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (**http://www.tess-india.edu.in/**) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।*

संस्करण 2.0 SE13v1
All India - Hindi

*तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: **http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/***

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से आपके छात्रों के भाषा सीखने की सहायता करने के बारे में है। इस तरह का आकलन सतत होता है और सारे स्कूली वर्ष के दौरान नियमित रूप से किया जाता है। निर्माणात्मक आकलन का मतलब है प्रत्येक छात्र से विविध प्रकार की गतिविधियों से जानकारी एकत्र करना, जो उनके सीखने और प्रगति का आकलन करने में आपकी मदद करती है। इसलिए इससे आपको उन छात्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जिन्हें कोई कठिनाई है और उनकी सहायता करने के लिए अपने शिक्षण को समायोजित करने में भी मदद मिलेगी। इसी तरह, यह आपको उन छात्रों को पहचानने का भी अवसर देगी जो अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी प्रगति के लिए आप चुनौतीपूर्ण शिक्षण अवसर प्रदान कर सकेंगे और भिन्न प्रकार की शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कर सकेंगे। निर्माणात्मक आंकलन को Right to Education Act 2009 द्वारा एक पाठ्यक्रम के अंश के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है, में छात्र का चौतरफा विकास सुनिश्चित करता है।

यह इकाई दर्शाती है कि अपने नियमित अंग्रेजी कक्षा शिक्षण के दौरान आप अंग्रेजी का आकलन कैसे कर सकते हैं। यह विभिन्न भाषा कौशलों का आकलन करने के बारे में कुछ अवधारणाएं प्रदान करती है: पढ़ना, सुनना, बोलना और लिखना। इसमें बड़ी कक्षाओं में निर्माणात्मक आकलन का प्रबंधन करने के लिए कुछ सुझाव भी हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- अपने नियमित कक्षा शिक्षण के दौरान भाषा सीखने का आकलन कैसे करें।
- अपने छात्रों के अंग्रेज़ी पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने के कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें।

आपको निर्माणात्मक आकलन पर क्यों विचार करना चाहिए

कई शिक्षक अपने छात्रों की अंग्रेजी में निपुणता का आकलन परीक्षाओं के माध्यम से करते हैं जो वार्षिक स्कूल कैलेंडर में नियमित रूप से संचालित की जाती हैं, और स्कूली वर्ष के अंत में एक अंतिम (फाइनल) परीक्षा होती है। परीक्षाएं इस बार में जानकारी एकत्र करने का अच्छा तरीका हो सकते हैं कि छात्र क्या जानते हैं, लेकिन वे आपके शिक्षण के बारे में सूचना देने में कम उपयोगी होते हैं।

सभी शिक्षकों को सारे वर्ष अपने छात्रों की अंग्रेजी शिक्षा और प्रगति को सुधारने की चिंता और रुचि होती है। ऐसा करने के लिए आपको सारे स्कूली वर्ष के दौरान निर्माणात्मक आकलन करने की जरूरत होती है, जो सतत – चलता रहने वाला – आकलन होता है। इसका अर्थ है शिक्षण के निदान, उपचारात्मक कार्यवाही और समृद्धि के लिए नियमित कक्षा शिक्षण के दौरान प्रत्येक छात्र की प्रगति का आकलन करना। इसमें शामिल हो सकता है:

- सामान्य कक्षा गतिविधियाँ करते समय अपने छात्रों का अवलोकन करना, और अपने अवलोकनो से नोट्स बनाना
- कक्षा और/या गृहकार्य के आवंटनों को ग्रेड करना और ग्रेडों के रिकार्ड रखना
- छात्रों के कार्य (लिखित, कला, परियोजनाएं आदि) के नमूने रखना पोर्टफ़ोलियो में रखना
- लघु अनौपचारिक परीक्षाएं लेना और ग्रेडों को रिकार्ड करना।

इस प्रकार का आकलन यह समझने में आपकी मदद करेगा कि प्रत्येक छात्र अंग्रेजी के कई अलग-अलग क्षेत्रों में कितना अच्छा कर रहा है। इससे आपको यह देखने में भी मदद मिलेगी कि छात्रों को व्यक्तिगत रूप से क्या कठिनाइयाँ हो रही हैं, ताकि आप उनके कौशलों और चिंतन को विकसित करने वाली गतिविधियों की योजना बना सकें।

1 कक्षा के नियमित शिक्षण में भाषा सीखने का आकलन करना

कक्षा में नियमित शिक्षण के दौरान छात्रों का आकलन संभव है। जब वे सामान्य कार्य और गतिविधियाँ करते हैं तब आप उनका अवलोकन कर सकते हैं। यहाँ ऐसी गतिविधियों और उनका उपयोग करके जानकारी एकत्र करने के तरीकों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं जिनका उपयोग आप अपने छात्रों के आकलन के लिए कर सकते हैं। (आप इनमें से कई गतिविधियों के बारे में अन्य माध्यमिक अंग्रेजी इकाइयों में पढ़ सकते हैं।)

- जब छात्र जोड़ी में काम करते हैं – जैसे एक दूसरे से वाक्य लिखवाना, या रोल प्ले या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधियाँ करना – तब आप गतिविधि को सुन, देख और उसके पहलुओं के बारे में नोट्स बना सकते हैं (उदाहरण के लिए, उच्चारण के बारे में)।
- पाठ को पढने या पाठ्यपुस्तक के नए अध्याय को शुरू करने से पहले, आप छात्रों से विषय के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं (उदाहरण के लिए, कोई विवाह जिसमें वे सम्मिलित हुए थे या उनके पसंदीदा खेल नायक)।
- जब भी आप सारी कक्षा से प्रश्न पूछते हैं, या छात्रों को सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं, आप देख सकते हैं कि कौन–कौन प्रतिभाग करता है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा नोट कर सकते हैं।
- जब छात्र किसी पाठ पर प्रतिक्रिया करते हैं (उदाहरण के लिए, बोध प्रश्नों के उत्तर देना) और अकेले जोड़ी में या समूहों में काम करते हैं, तब आप कक्षा में घूम सकते हैं और नोट कर सकते हैं कि प्रश्नों के साथ किसे कठिनाई हो रही है।
- कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद, आप शब्दों या वाक्य संरचना के बारे में एक त्वरित, लघु परीक्षा ले सकते हैं (उदाहरण के लिए, छात्रों से वाक्यों के बीच के खाली स्थानों को भरने के लिए कहना)।
- यदि छात्र शब्दावली लॉगबुक या साहित्यिक लॉगबुक बना रहे हैं, तो आप उन किताबों की समीक्षा करके संभवतः उन्हें ग्रेड कर सकते हैं।
- छात्रों द्वारा किए गए प्रॉजेक्ट वर्क को आप वैयक्तिक रूप से या समूहों में ग्रेड कर सकते हैं (उदाहरण के लिए– विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा का अखबार लिखना या किसी टीवी कार्यक्रम का प्रकरण लिखना)।
- जब छात्र सुनने की गतिविधि करते हैं – जैसे निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, उनके द्वारा सुने गए गद्यांश के बारे में प्रश्नों का उत्तर देना या किसी पाठ का सारांश लिखना– आप कमरे में घूम सकते हैं और देख सकते हैं कि कौन प्रयास कर रहा है और कौन अच्छी तरह से कर रहा है। आप पूरे किए गए काम को ग्रेड करने के लिए ले सकते हैं।

यह सूची दर्शाती है कि ऐसे कई अलग तरीके हैं जिनसे आप अपने सामान्य शिक्षण के दौरान अपने छात्रों का आकलन कर सकते हैं – आपको अपने छात्रों का आकलन करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास और गतिविधियाँ शामिल करने की जरूरत नहीं है। विविध प्रकार के सामान्य अभ्यासों और गतिविधियों के उपयोग से सुनिश्चित होता है कि आप भाषा सीखने के सभी पहलुओं का आकलन करते हैं: शब्दावली और व्याकरण के साथ सुनना, पढ़ना, बोलना और लिखना।

आपको लग सकता है कि छात्रों की बड़ी संख्या के साथ निर्माणात्मक आकलन करना कठिन है। लेकिन हर कक्षा में हर छात्र पर ध्यान देना जरूरी नहीं है – आप किसे प्रतिक्रिया देंगे और हर बार किन अलग–अलग छात्रों का काम लेगें यह आप बारी बारी से कर सकते हैं। छात्र स्वयं अपने या एक दूसरे के काम का आकलन भी कर सकते हैं। संसाधन 1 में आगे के सुझाव हैं कि बड़ी कक्षाओं को पढ़ाते समय आप अपने प्रत्येक छात्र के बारे में जानकारी कैसे एकत्र कर सकते हैं।

जानकारी और सबूत एकत्र करने और दर्ज कर लेने के बाद, उसकी व्याख्या करना महत्वपूर्ण होता है ताकि यह समझा जा सके कि प्रत्येक छात्र कैसे सीख रहा है और प्रगति कर रहा है। फिर आपको अपनी खोज पर कार्रवाई करके शिक्षण को सुधारना होगा, जिसके लिए आप छात्रों को फीडबैक दे सकते हैं या नए संसाधन खोज सकते हैं यै समूहों को पुनर्व्यवस्थित कर सकते हैं, या किसी शिक्षण बिंदु को दोहरा सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपने देखा है कि कुछ छात्रों को अंग्रेजी के कतिपय क्षेत्रों के साथ समस्या हो रही है (जैसे भूत काल का प्रयोग), तो आप उन छात्रों को भविष्य के पाठों में कालों का उपयोग करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते हैं।

निर्माणात्मक आकलन विशिष्ट और विभेदित सीखने की गतिविधियाँ स्थापित करके प्रत्येक छात्र को सीखने के सार्थक अवसर प्रदान करने में आपकी मदद कर सकता है, जिसमें उन छात्रों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें अधिक मदद चाहिए और अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को चुनौती दी जाती है। अधिक जानकारी के लिए, नीचे दिया गया वीडियो देखें और संसाधन 2, 'प्रगति और कार्य-निष्पादन का आकलन करना' देखें।

वीडियो: प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

केस स्टडी 1: श्री संपत कक्षा के नियमित अध्यापन के दौरान अपने छात्रों का आकलन करते हैं

श्री संपत एक सरकारी माध्यमिक स्कूल में कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने अपने स्थानीय DIET में आकलन पर एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और निर्माणात्मक आकलन के लाभों के बारे में सीखा। उन्होंने अपने छात्रों की अंग्रेजी में प्रगति का रिकार्ड (नोट्स और ग्रेड) रखने के लिए एक नोटबुक खरीदने का निश्चय किया।

अपनी नोटबुक खरीदने के बाद, मैंने अपने सभी छात्रों के नाम लिखे और हर एक के बारे में नोट्स बनाने लगा। शुरू में, मैंने पाया कि मेरे नोट्स प्रायः समान छात्रों के बारे में ही होते थे। इससे मुझे पता चला कि मैं यह नहीं देख पा रहा था कि मेरी कक्षा के कुछ छात्र कैसा काम कर रहे हैं, विशेष रूप से कक्षा में पीछे की ओर बैठने वाले शांत छात्र। नोटबुक ने मुझे बताया कि मुझे कक्षा के सभी सदस्यों के बारे में पता लगाना शुरू करने की जरूरत है।

मैं यह देखने के लिए अधिक प्रयास करने लगा कि कक्षा का हर विद्यार्थी कैसे काम कर रहा है। आपको मैं एक उदाहरण देता हूँ। हाल ही में, मेरे छात्र जोड़ियों में कुछ बोध प्रश्नों के उत्तर लिख रहे थे [संसाधन 3 की गतिविधि देखें]। जब वे अपने उत्तरों पर चर्चा करने और लिखने लगे, तो मैं एक जोड़ी के पास गया और उनकी चर्चा को सुनने लगा। ऐसा लगा कि उन्हें उत्तर की अच्छी अवधारणा है, इसलिए मैं दूसरी जोड़ी के पास गया। इस बार, यह स्पष्ट था कि एक छात्र, रमेश को इस प्रश्न के साथ कठिनाई हो रही थी: ‘Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?’

क्या परेशानी है, रमेश?

मुझे शब्द ‘unpredictable’ समझ में नहीं आ रहा है। इसका क्या मतलब है?

इसका मतलब है आप नहीं जानते कि कोई आगे क्या करने जा रहा है। चलिए देखते हैं कि शिक्षक क्या करता है ... वह सबसे पहले क्या करता है?

मुझे नहीं पता ‘assigned’ क्या है?

मैंने वे शब्द और वाक्य समझाए, जिनके कारण रमेश प्रश्न का उत्तर नहीं दे पा रहा था। फिर मैं अपनी डेस्क पर लौटा, और अपनी नोटबुक में उसके बारे में और इस विषय में एक नोट लिखा कि मैं भविष्य में उसकी सीखने की प्रक्रिया में कैसे बेहतर सहायता कर सकता हूँ [तालिका 1]।

तालिका 1 *रमेश की सीखने की प्रक्रिया पर श्री संपत के नोट्स।*

नाम	तारीख	गतिविधि	टिप्पणी/ग्रेड
रमेश	09ण04	अध्याय 4 – पढ़ने का अभ्यास	पाठ के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने में कठिनाई महसूस करता है – शब्दावली को समझने में कुछ समस्याएं हुईं। क्या उसके पढ़ने के लिए अधिक सरल पाठों की खोज करनी होगी?

बेशक, मैं हर छात्र के बारे में हर कक्षा में नहीं लिख सकता, लेकिन जब संभव होता है तब मैं नोट्स बनाता हूँ, और सत्र के साथ-साथ धीरे-धीरे मुझे प्रत्येक छात्र की बेहतर समझ होने लगी है। उदाहरण के लिए, मैं देख सकता हूँ कि रमेश को किताब में पाठों को समझने में प्रायः समस्या होती है। यह देखने के लिए कि उसके पढ़ने के कौशलों को सुधारने में मैं उसकी कैसे मदद कर सकता हूँ, मैं उससे बात करने की योजना बना रहा हूँ। उदाहरण के लिए, शायद वह मेरे द्वारा उसके लिए पहचाने गए कुछ अधिक सरल पाठ घर पर पढ़ सकता है, या संभव है मैं उसकी जोड़ी सीता के साथ बना सकता हूँ जो उसकी मित्र है और पढ़ने में उससे बेहतर है, ताकि वह उसकी मदद कर सके।

नोटबुक का उपयोग शुरू करने के बाद से, मैंने पाया है कि मैं अपनी कक्षा के हर छात्र के बारे में अधिक सीख रहा हूँ। और कभी-कभी मैं छात्रों से वे प्रश्न पूछता

हूँ जो मैं पहले नहीं पूछता था, क्योंकि मैं जानना चाहता हूँ कि वे सभी कैसे पढ़ रहे हैं। मेरा खयाल है इससे छात्रों को अंग्रेजी सीखने में भी मदद मिल रही है। उदाहरण के लिए, मुझे नहीं लगता कि पहले मैं रमेश की बहुत ज्यादा मदद करता था। ईमानदारी से कहूँ, तो मुझे पता नहीं था कि उसे पढ़ने में कठिनाई हो रही थी। अब मुझे आशा है कि मैं उसके पढ़ने के कौशलों को सुधारने में उसकी मदद कर सकता हूँ।

अचरज की बात है कि, मुझे पता चला कि नोटबुक का उपयोग करने से मुझे अन्य कामों में भी फायदा हुआ जैसे विश्लेषण करना कि हर छात्र क्या कर सकता है या उसे क्या कठिन लगता है, इत्यादि। इससे मुझे छात्रों और उनके अभिभावकों को वास्तविक फीडबैक देने में मदद मिलती है, ताकि हर एक को इस बात का बेहतर बोध मिलता है कि क्या काम छात्र अच्छी तरह से करते हैं और किस काम पर उन्हें मेहनत करने और सुधार करने की जरूरत है। अंत में, अपने छात्रों के सीखने के बारे में जानकारी को एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने से मुझे अपनी शिक्षण पद्धतियों और अपने द्वारा प्रयुक्त सामग्रियों पर विचार करने का अवसर मिला, और मुझे यह सोचने पर मजबूर किया है कि मैं अपने छात्रों को अधिक आसान और बेहतर ढंग से कैसे पढ़ा सकता हूँ ताकि उनमें से हर एक सीख सके।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – रिकार्ड रखने के लिए डायरी का उपयोग करना

कोई भी शिक्षक कार्य-प्रदर्शन के रिकार्ड और छात्रों के बारे में ग्रेड रखने के लिए नोटबुक या डायरी का उपयोग कर सकता है। यदि आप पहले से रिकार्ड नहीं रखते हैं, तो एक डायरी शुरू करें जिसमें आप छात्रों के बारे में नियमित नोट्स लिख सकते हैं और उनके ग्रेडों के रिकार्ड रख सकते हैं। जब आप रिकार्ड रखते हैं, तो सोचें कि आप हर छात्र की उसके सीखने में सहायता कैसे कर सकते हैं। यदि कोई छात्र अच्छा कर रहा है, तो आप उसे कैसे प्रोत्साहित करेंगे और ऐसा क्या काम देंगे, जिससे वह सीखना जारी रख सके? यदि छात्र को कठिनाई हो रही है, तो आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

अपनी डायरी कम से कम एक महीने तक रखें और इन प्रश्नों का उत्तर दें:

- **सप्ताह 1 के बाद:** आपकी नोटबुक का उपयोग करना कितना आसान है? यदि यह कठिन है, तो प्रक्रिया को अधिक आसान बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन कर सकते हैं? कम नोट्स बनाने, हर कक्षा में कुछ ही छात्रों का अवलोकन करने, टिप्पणियों की सरल सूची का उपयोग करने या नोट्स के लिए संख्याओं या चित्रों जैसे संकेतों का उपयोग करने पर विचार करें (उदाहरण के लिए, ☺, ☹)
- **सप्ताह 2 के बाद:** क्या ऐसे कोई छात्र हैं जिनके रिकार्ड आपके पास नहीं हैं? वे कौन से हैं? अगले सप्ताह इन छात्रों का अवलोकन करने का प्रयास करें, या उनके पास से कुछ काम लें। उनके नोट्स या ग्रेडों को अपनी नोटबुक में जोड़ें।
- **सप्ताह 3 के बाद:** अपनी नोटबुक पर नज़र डालें। कौन से छात्र (आपके नोट्स और ग्रेडों के अनुसार) कठिनाई महसूस करते लग रहे हैं? उन्हें किस चीज से कठिनाई हो रही है? (उदाहरण के लिए, पढ़ना, शब्दावली, व्याकरण।) आप उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं? आप अपने शिक्षण में आप क्या परिवर्तन करेंगे
जिससे उन्हें बेहतर सीखने में मदद मिल सकती है?

छात्रों को कई विभिन्न कारणों से कठिनाई होती है। यह पता लगाने के लिए छात्र से बात करना महत्वपूर्ण है कि वह किन समस्याओं का सामना कर रहा है ताकि आप मदद करने के तरीके सोच सकें। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आप उनके काम के बारे में स्पष्ट और सरल बिंदुओं में फीडबैक प्रदान करें ताकि छात्र जान सके कि सुधार करने के लिए उसे क्या उपाय करने होंगे। इससे आपको छात्र की मदद करने के तरीकों की योजना बनाने में भी मदद मिलेगी। शायद आप उन्हें घर पर करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते हैं; या कक्षा में करने के लिए कोई अलग अभ्यास दे सकते हैं। हो सकता है छात्र कक्षा में किसी अन्य छात्र के साथ काम कर सकता है जो उसकी मदद कर सके।

अपने छात्रों का रिकार्ड रखने के लिए बनायी जाने वाली डायरी के प्रयोग की सर्वोत्तम विधि यह है कि ऐसे तरीके की खोज की जाए जो आपके और आपके छात्रों के लिए उपयुक्त हो। यदि आपके पास बहुत सारे छात्र हैं, तो उन सभी के बारे में हर सप्ताह ढेर सारे नोट्स बनाना संभव नहीं होगा। आपको यथार्थवादी होना पड़ेगा! अपने सभी छात्रों के बारे में एक समयावधि – उदाहरण के लिए, एक सत्र – में नोट्स प्राप्त करने का प्रयास करें। और यह सुनिश्चित करें कि आप अपने छात्रों और उनके माता–पिता को सूचित करेंगे कि वे कैसा काम कर रहे हैं, ताकि वे अपनी शक्तियों और कमजोरियों के प्रति सजग रहें और सुधार करने के लिए कदम उठा सकें।

यह काम करने के बारे में अधिक जानने के लिए, पढ़ें संसाधन 4, 'निगरानी करना और फीडबैक देना'।

वीडियो: निगरानी करना और फीडबैक देना

2 अपने छात्रों के अंग्रेज़ी पढ़ने और सुनने के कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें

पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करना कठिन हो सकता है। जब छात्र अंग्रेजी में बोलते या लिखते हैं, तब वे जो कहते हैं आप उसे सुन सकते हैं या वे जो लिखते हैं उसे पढ़ सकते हैं। फिर भी, जब वे अंग्रेजी पढ़ते या सुनते हैं, तब यह जानना कठिन होता है कि वे उससे समझते क्या हैं। तालिका 2 में ऐसी कुछ गतिविधियाँ हैं जिनका प्रयोग आप इस बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए कर सकते हैं कि आपके छात्रों ने पाठ को पढ़ते या सुनते समय क्या समझा है। ये गतिविधियाँ कक्षा में नियमित शिक्षण के दौरान, या निर्माणात्मक आकलन का हिस्सा बनने वाली अनौपचारिक परीक्षाओं के रूप में की जा सकती हैं।

तालिका 2 *आपके छात्र अंग्रेजी में जो कुछ समझते हैं उसका आकलन करना।*

गतिविधि	उदाहरण
बोध प्रश्न	छात्र अंग्रेजी में किसी गद्यांश को सुनते या पढ़ते हैं, और उसके बारे में प्रश्नों के उत्तर देते हैं। आप पाठ्यपुस्तकों के प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं, खुद अपने लिख सकते हैं, या छात्रों से प्रश्न लिखने को भी कह सकते हैं। प्रश्न और उत्तर अंग्रेजी में या आपकी घरेलू बोली में हो सकते हैं। यह उन छात्रों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है जो पाठों को अच्छी तरह से पढ़ या सुन तो सकते हैं, लेकिन अंग्रेजी में लिखने में कठिनाई महसूस करते हैं। यदि वे अपनी घरेलू बोली में लिख सकते हैं, तो वे कह सकते हैं कि उन्होंने समझ लिया है। यह छात्रों द्वारा पढ़ना या लिखना शुरू करने से पहले प्रश्नों का पुनरावलोकन करने के लिए उपयोगी हो सकता है, ताकि वे जान लें कि उन्हें खोजने या सुनने के लिए क्या चाहिए।
सारांश लिखना	छात्र अंग्रेजी में गद्यांश सुनते या पढ़ते हैं और उन्होंने जो कुछ समझा है उसके बारे में सारांश लिखते हैं। इसे घरेलू बोली में लिखा जा सकता है ताकि आप छात्र के लेखन कौशलों का नहीं बल्कि इस बात का आकलन कर सकें कि क्या उन्होंने जो कुछ सुना या पढ़ा है उसे समझ लिया है। आप छात्रों को सुनते या पढ़ते समय नोट्स लेने को प्रोत्साहित कर सकते हैं। वे इन नोट्स का उपयोग सारांश लिखने के लिए कर सकते हैं।
चर्चाएं	छात्र उस चीज के बारे में बातचीत कर सकते हैं या लिख सकते हैं जो उन्हें पाठ में रोचक या आनंदपूर्ण लगी थी। यह सप्लीमेन्टरी रीडर के पाठों के साथ खास तौर पर उपयोगी हो सकता है। वे अंग्रेजी में या घरेलू बोली में चर्चा कर सकते हैं, क्योंकि ऐसा करने का प्रयोजन यह पता लगाना है कि उन्होंने क्या समझा है।

कुछ शिक्षक सस्वर पठन को अपने छात्रों के पठन कौशलों का आकलन करने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, इस प्रयोजन के लिए इस तकनीक का उपयोग करने में कुछ समस्याऐं होती हैं क्योंकि इससे आपको पता नहीं चलता कि आपके छात्रों ने वास्तव में गद्यांश के बारे में कितना समझा है। दरअसल यह छात्रों के उच्चारण कौशलों की परीक्षा अधिक है।

कुछ शिक्षक छात्रों से बोलने, सुनने और लिखने का अभ्यास करवाने के लिए श्रुतलेख का उपयोग करते हैं। श्रुतलेखों की जाँच और ग्रेड करना आसान होता है, और छात्र स्वयं अपने और एक दूसरे के काम को जाँच सकते हैं। हालांकि, श्रुतलेखों में, छात्र प्रायः जो कुछ कहा जाता है उसके अर्थ पर ध्यान नहीं देते हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप अन्य गतिविधियाँ भी करें यदि आप अपने छात्रों के सुनने के कौशलों की अच्छी अवधारणा पाना चाहते हैं।

अपने छात्रों के पढ़ने और सुनने की क्षमताओं का बोध पाने के लिए अच्छा होगा कि आप जितने हो सकें उतने भिन्न पाठों के साथ विविध प्रकार की गतिविधियाँ करें। ये पाठ पाठ्यपुस्तक, सप्लीमेंट्री रीडर या किसी भी अन्य पाठ (जैसे कहानी या अखबार का लेख) से लिए जा सकते हैं। सुनने के लिए, आप इनमें से किसी का भी एक लघु खंड पढ़ सकते हैं। यदि आपको रेडियो या स्पीकर वाला मोबाइल फोन उपलब्ध हो, तो आप ऑडियो रिकार्डिंग बजा सकते हैं। जब भी कभी आप ऐसी कोई गतिविधि करें, तब छात्रों को पाठ को पढ़ने के लिए बहुत सारा समय दें या छात्रों को गद्यांशों को एक से अधिक बार सुनने दें।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – आपके छात्रों के सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाना

उपरोक्त पाठ में, आपने विविध प्रकार की तकनीकों के बारे में पढ़ा जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित शिक्षण में अपने छात्रों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करने के लिए कर सकते हैं (जैसे सारांश लिखना, श्रुतलेख, आदि)। नीचे दी गई तालिका की प्रतिलिपि बनाएं और अगले महीने में आप तकनीकों का उपयोग कैसे करने जा रहे हैं, उसमें भरें। संसाधन 5 में आपको उदाहरणों के साथ एक पूरी की हुई तालिका मिलेगी।

तालिका 3 *आपके कौशलों के सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाने के लिए एक फार्म।*

कक्षा और अध्याय	

सप्ताह	**गतिविधि**	**मैं इस गतिविधि के दौरान छात्रों का आकलन किन तरीकों से करूँगा?**	**एक प्रतिक्रिया के रूप में मैं अपने शिक्षण को कैसे संशोधित करूँगा?**
1			
2			
3			
4			

विचार के लिए रुकें

अपनी योजना का अनुसरण एक महीने तक कर लेने के बाद, इन प्रश्नों का उत्तर दें। हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें।

- किन विभिन्न तरीकों से आपने अपने छात्रों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन किया? क्या आप अपने सभी छात्रों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन कर सके?
- आपके अवलोकन और नोट्स ने आपके छात्रों के सीखने तथा पढ़ने और सुनने में प्रगति में सहायता करने में आपकी मदद कैसे की?
- क्या आपने छात्रों को फीडबैक प्रदान किया? क्या इस फीडबैक ने सुधरने में उनकी मदद की?

यदि आपकी कक्षा बड़ी है, तो एक महीने की अवधि में आपके सभी छात्रों का आकलन करना बहुत कठिन हो सकता है। आपकी डायरी यह देखने में आपकी मदद करेगी कि किन छात्रों का अवलोकन आपने नहीं किया है। आपसे जितने अवलोकन हो सकें उतने करें, और सुनिश्चित करें कि आप हर बार उन्हीं छात्रों पर केंद्रित न रहें। छात्रों को जोड़ी या समूह कार्य मे एक दूसरे का आकलन करने में और स्व-आकलन में शामिल करना भी संभव हो सकता है।

आपके अवलोकन यह देखने में आपकी मदद करेंगे कि किन छात्रों को मदद चाहिए, और आप अपने शिक्षण को तदनुसार नियोजित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, संभवतः आपके कुछ छात्रों ने श्रुतलेख में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप उन शब्दों या व्याकरण बिंदुओं पर ध्यान दे सकते हैं जिनमें उन्हें कठिनाई होती है। आपको अपने अवलोकन छात्रों को स्पष्ट फीडबैक के रूप में बताने चाहिए ताकि उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों की अच्छी जानकारी हो सके। सुनिश्चित करें कि आपके छात्रों को पता हो कि वे क्या अच्छा कर रहे हैं, और साथ ही यह कि किन क्षेत्रों में उन्हें सुधरने की जरूरत है। इस बारे में उन्हें स्पष्ट सुझाव दें कि वे सुधार के लिए क्या कर सकते हैं।

यदि आप योजना बनाते हैं तो छात्रों का आकलन करना अधिक आसान होगा। उस तरह, आप देख सकते हैं कि आप क्या करने जा रहे हैं, और कब और कैसे आप उसे करेंगे। यदि आपकी योजना सफल न हो तो, एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकें आजमाएं। देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या उपयोगी है। महत्वपूर्ण बात है प्रयास करते रहना। आप उपरोक्त ढाँचे का उपयोग बोलने और लिखने के लिए आकलन की योजना बनाने के लिए भी कर सकते हैं।

3 अपने छात्रों के अंग्रेज़ी बोलने के कौशल का आकलन कैसे करें

बोलना अंग्रेजी सीखने का प्रायः एक ऐसा क्षेत्र होता है जिसका आम तौर पर आकलन नहीं किया जाता है। तथापि, बोलना छात्रों के विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल है, और अंग्रेजी कक्षा में ऐसी गतिविधियों को शामिल करना महत्वपूर्ण है जो छात्रों को अंग्रेजी में बोलने के लिए अवसर प्रदान करती हैं। वे कोई कहानी सुनाना, रोल प्ले कोई साक्षात्कार या चर्चा हो सकते हैं। बोलने की गतिविधियों का आकलन आपको अपने छात्रों की अंग्रेजी में प्रगति, उन्होंने क्या सीखा है, वे अंग्रेजी में कितने आत्मविश्वास के साथ बोल सकते हैं, या क्या उन्हें अंग्रेजी में बोलने में दिक्कत हो रही है इस बारे में बता सकता है।

विचार के लिए रुकें

जब आप अगले प्रश्नों का उत्तर दें तब अपने छात्रों और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें।

- क्या आपने कभी अपने छात्रों के बोलने के कौशलों का आकलन किया है? आपने यह कैसे किया? क्या आपको कोई कठिनाई हुई?
- यदि आपने अपने छात्रों के बोलने के कौशलों का कभी आकलन नहीं किया है, तो आपके विचार से आप उसे कैसे करेंगे? आपके विचार से आपको क्या कठिनाइयाँ हो सकती हैं?
- क्या आप सोचते हैं कि बोलने के कौशलों का आकलन करते समय किसी अन्य भाषा संबंधी कौशल का आकलन किया जा सकता है?

अब अपने विचारों की तुलना उससे करें जो कुछ शिक्षक बोलने का आकलन करने के लिए करते हैं। क्या इनमें से कई अवधारणाएं आप और आपके छात्रों के लिए संभव हैं? जो संभव हैं उन्हें नोट करें।

मैं छात्रों को तब सुनता हूँ जब वे जोड़ी में गतिविधियों के दौरान बातचीत करते हैं और अपने मन में अनौपचारिक नोट्स रखता हूँ। फिर जब मेरे पास समय होता है, मैं उन्हें अपनी नोटबुक में लिख लेता हूँ।

मैं अपने छात्रों से कहता हूँ कि बोलना उनके समग्र आकलन का हिस्सा है, और मैं कुछ बोलने की गतिविधियों के लिए ग्रेड देती हूँ (उदाहरण के लिए, वादविवाद या रोल प्ले)। इससे उन्हें पता चलता है कि बोलना महत्वपूर्ण है। मैं हमेशा हर एक को बताती हूँ कि मैं अब बोलने की गतिविधियों के लिए ग्रेड देने वाली हूँ। इस तरह, वे तैयारी और अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकते हैं। यही न्यायोचित है!

मैं कभी-कभार छात्रों को कक्षा के सामने जोड़ियों में बुलाता हूँ, और फिर उनकी एक छोटी सी बोलने की परीक्षा लेता हूँ – उदाहरण के लिए, मैं उन्हें किसी चित्र का वर्णन करने के कहता हूँ। हर जोड़ी को केवल दो मिनट मिलते हैं, और वे एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। समय की एक अवधि में मैं सभी छात्रों की परीक्षा लेने का प्रयास करता हूँ।

कभी-कभी, बोलने की गतिविधि के बाद, मैं छात्रों से कुछ प्रश्नों के बारे में सोचने को कहता हूँ। क्या उन्होंने जितना उनसे हो सका बोला? क्या उन्हें व्याकरण या शब्दावली के साथ समस्याएं हुई? अपने बोलने के कौशलों को सुधारने के लिए वे क्या कर सकते हैं? मैंने उन्हें किस प्रकार की फीडबैक दी ताकि वे सुधार कर सकें? क्या मेरी फीडबैक उपयोगी थी? कभी-कभी हम इस पर मिलकर चर्चा करते हैं।

बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए आप बोलने की किसी भी गतिविधि का उपयोग कर सकते हैं, विशेष रूप से वे गतिविधियाँ जहाँ छात्र अपने या किसी दिलचस्प विषय के बारे में बातचीत करते हैं। पाठ को ऊँची आवाज में पढ़ने जैसी गतिविधियाँ बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए अधिक उपयोगी नहीं होती हैं, क्योंकि ये गतिविधियाँ बोलने के केवल एक पहलू, उच्चारण का आकलन करती हैं। वे बोलने के अन्य पहलुओं पर विचार नहीं करती हैं जैसे आश्वस्त होकर और धाराप्रवाह बोलना, गतिविधियों में भाग लेना, शब्दावली और व्याकरण का सटीक उपयोग करना इत्यादि।

बोलने की गतिविधियों में छात्र प्रायः प्रदर्शित करते हैं कि उन्होंने पढ़ने या सुनने की गतिविधि से क्या सीखा है। इसलिए बोलने का आकलन करते समय ध्यान में रखें कि आप प्रायः उसी के साथ अन्य कौशलों का आकलन कर रहे हैं।

केस स्टडी 2: श्रीमती अग्रवाल बोलने की गतिविधि के दौरान अपने छात्रों का आकलन करती हैं

श्रीमती अग्रवाल एक गैर–अंग्रेजी माध्यम सरकारी माध्यमिक स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। पिछली बार जब उन्होंने अपने छात्रों के बोलने के कौशलों का आकलन किया था वे उसके बारे में बतलाती हैं।

मेरी कक्षा अंग्रेजी में एक साक्षात्कार कर रही थी। वे चार के समूहों में काम कर रहे थे [देखें चित्र 1]। दो समूहों के पास लिखित प्रश्न थे और वे पत्रकारों की भूमिका कर रहे थे; अन्य दो बारी बारी से साक्षात्कार करवाने वाले की भूमिका कर रहे थे (इस बार, एक मशहूर फिल्म स्टार)।

चित्र 1 रोल प्ले गतिविधि में भाग लेते समय अपने छात्रों का आकलन करतीं श्रीमती अगरवाल।

इस बार मैंने केवल दो समूहों को सुनने और उनका आकलन करने का निश्चय किया। पिछली बार मैंने अन्य छात्रों पर ध्यान दिया था, और अगली बार मैं कुछ अलग छात्रों पर ध्यान दूँगी।

मैं अपनी कक्षा के लिए एक डायरी रखती हूँ, और उसमें मैं नोट्स बनाती हूँ और अपने छात्रों के काम और ग्रेडों के रिकार्ड रखती हूँ। मेरी डायरी का एक हिस्सा बोलने के कौशलों से संबंधित है, जिसमें एक ग्रिड नाम, तारीख और गतिविधि का प्रकार, और फिर बोलने के विभिन्न पहलू दिखाती है [देखें तालिका 4]।

तालिका 4 *श्रीमती अगरवाल की डायरी में उनके छात्रों के काम की निगरानी करने के लिए एक ग्रिड।*

नाम	तारीख और गतिविधि	सहभागिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (धारा प्रवाह)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण

जब मेरे छात्र बोलने की गतिविधि करते हैं, मैं उनके पास खड़ी होती हूँ, सुनती हूँ और नोट्स बनाती हूँ [देखें तालिका 5]।

तालिका 5 *श्रीमती अगवाल की डायरी में उनके छात्रों के काम की निगरानी करने के लिए एक भरी हुई ग्रिड।*

नाम	तारीख और गतिविधि	सहभागिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (वाक्पटुता)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण
राहुल	06.01.14, साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓
अंजू	06.01.14, साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓

आप देख सकते हैं कि मै केवल आसान सी चिन्ह लगाने वाली प्रणाली का प्रयोग करती हूँ। एक चिन्ह का मतलब है छात्र को कठिनाई हो रही है; दो चिन्हों का मतलब है वे संतोषजनक हैं; तीन चिन्हों का मतलब है वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। ग्रिड को बहुत जल्दी और आसानी से भरा जा सकता है। मैं छात्रों के बारे में ये अनौपचारिक रिकार्ड प्रत्येक छात्र की प्रगति की समझ पाने में मदद और उनके समग्र आकलन में योगदान करने के लिए करती हूँ। फिर मैं अपने नोट्स को छात्रों के साथ साझा करती हूँ ताकि उन्हें अपनी स्वयं की क्षमताओं का पता चले और उन्हें किस चीज पर ध्यान देना है इस बात का बोध हो सके।

गतिविधि 3: कक्षा में आजमाएं – छात्रों के बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग करना

केस स्टडी 2 में, श्रीमती अग्रवाल ने छात्रों के बोलने के कौशलों का अनौपचारिक रूप से आकलन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग किया, जिसे वे अपने छात्रों के साथ प्रतिक्रिया के रूप में साझा करती हैं। अपने छात्रों के लिए ऐसी ही ग्रिड बनाएं, और अगली बार जब आपके छात्र बोलने की गतिविधि करें तब एक या दो समूहों के साथ उसे आजमाएं। आप, केस स्टडी की तरह, सही के चिन्ह का उपयोग कर सकते हैं, या ग्रेड या टिप्पणियाँ जोड़ सकते हैं। अपने छात्रों को बताना न भूलें कि आप क्या कर रहे हैं और गतिविधि के बाद उनके साथ अपना फीडबैक साझा करें।

विचार के लिए रुकें

अपनी कक्षा में रिकार्ड शीट को आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या रिकार्ड शीट उपयोग में आसान और उपयोगी थी? यदि नहीं, तो उसे अधिक आसान और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन करेंगे?
- केस स्टडी में शिक्षक बोलने के सभी पहलुओं को समान महत्व देती हैं (उदा. धारा प्रवाह बोलना, शुद्ध उच्चारण इत्यादि)। क्या यह आपकी कक्षा के लिए उपयोगी है? क्या आप कुछ पहलुओं को अधिक या कम महत्व देना पसंद करते हैं?
- आपके छात्रों ने प्रतिक्रिया का उत्तर कैसे दिया? क्या उन्हें यह प्रेरणादायक लगा?

ग्रिड में बेहिचक परिवर्तन करें। यदि वह उपयोग में कठिन है, तो उसे सरल बनाएं और दोबारा प्रयास करें। यदि आपको लगता है कि एक क्षेत्र दूसरे जैसा महत्वपूर्ण नहीं है, तो आप अधिक या कम सही के चिन्ह का उपयोग कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात है ऐसी ग्रिड का पता लगाना जो आप और आपके छात्रों के लिए उपयोगी है, और जो आपको अपने छात्रों के बोलने के कौशलों के बारे में जानकारी एकत्र करने देती है और उनके साथ सार्थक ढंग से साझा करने का अवसर देती है व उन्हें सुधार करने में मदद करेगी।

4 अपने छात्रों के अंग्रेज़ी लेखन कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें

बोलने की तरह ही, अंग्रेजी में लिखना भी केवल व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बनाना ही नहीं है। लेख लिखने में कई कौशलों का उपयोग होता है, और छात्र अपने मसौदे लिखने और अपने तथा एक दूसरे के काम की समीक्षा करने में कुछ समय व्यतीत कर सकते हैं।

गतिविधि 4: लिखित अंग्रेजी का आकलन करना

जब आप निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें तब अपने छात्रों और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो, अपने विचारों को किसी सहकर्मी के साथ साझा करें।

> कल्पना करें कि आपके छात्रों ने अंग्रेजी में कोई पाठ लिखा है, जैसे स्कूल के समरोह के बारे में एक रिपोर्ट। कल्पना करें कि आपने अपने छात्रों के काम को एकत्र कर लिया है और अब आप उसका आकलन कर रहे हैं। आप किस बात के लिए अंक देंगे?

जब आप लिखित अंग्रेजी का आकलन करते हैं – विशेष तौर पर रिपोर्टों, रचनाओं, पत्रों जैसे अधिक लंबे पाठ – तब आप निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार कर सकते हैं:

- क्या लिखित कार्य उपयुक्त है? (उदाहरण के लिए, क्या छात्र ने स्थानीय स्कूल समारोह के बारे में रिपोर्ट लिखी है, या क्या छात्र ने स्कूल का वर्णन सामान्य तौर पर कर किया है?)
- क्या लिखित कार्य स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
- क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
- क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
- क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है? (उदाहरण के लिए, किसी समारोह के बारे में रिपोर्ट को तथ्यात्मक होना चाहिए, और वह पढ़ने में दिलचस्प भी होनी चाहिए।)
- लिखित कार्य के बारे में क्या बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?

उपरोक्त सूची के अंतिम बिंदु पर ध्यान दें: यह कहना महत्वपूर्ण है कि किसी काम के बारे में अच्छी बात क्या है। इससे छात्रों को प्रोत्साहन मिलता है, और यह देखने में उनकी मदद करता है कि लिखने का क्या प्रयोजन है – पाठों को याद करने और उनकी नकल करने के साधन के रूप में नहीं, बल्कि विचारों को व्यक्त करने और पाठक तक कोई संदेश पहुँचाने के लिए।

अब एक शिक्षक के बारे में एक केस स्टडी पढ़ें जिसने अपने कक्षा 10 के छात्रों के लिखित काम का अभी-अभी आकलन किया है, और देखें कि वह अपने छात्रों के काम को ग्रेड करने और अलग-अलग व्यक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिए उपरोक्त प्रश्नों के समान प्रश्नों का उपयोग कैसे करता है।

केस स्टडी 3: श्री संपत कक्षा 10 के कुछ लिखित काम का आकलन करते हैं

श्री संपत एक सरकारी माध्यमिक स्कूल में कक्षा 10 को पढ़ाते हैं। उनकी कक्षा ने हाल ही में First Flight, *NCERT's Class X textbook का अध्याय 4 पढ़ा। इस अध्याय में* Anne Frank's diary *से एक उद्धरण है। अध्याय के अंत में एक लिखने का अभ्यास है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।*

> Now you know what a diary is and how to keep one. Can you keep a diary for a week recording the events that occur? You may share your diary with your class, if you wish to. Use the following hints to write your diary.

- Though your diary is very private, write as if you are writing for someone else.
- Present your thoughts in a convincing manner.
- Use words that convey your feelings, and words that 'paint pictures' for the reader.
- Be brief.

इस गतिविधि के लिए, मैंने अपने छात्रों से आने वाले सप्ताह में हर दिन घर पर 50-100 शब्द लिखने, और अपनी भरी गई डायरी को एक सप्ताह के बाद लाने को कहा। उनके लिखना शुरू करने से पहले, हमने ऐसे कुछ विचारों पर चर्चा की जिनके बारे में वे लिख सकते थे, और हर रोज, मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें लिखना चाहिए।

एक सप्ताह बाद, फिर मैंने छात्रों को चार या पाँच के समूहों में रखा। मैंने उनसे कहा: 'Choose one interesting diary entry and share it with the group.' मैंने उन्हें दस मिनट दिए।

फिर मैंने दस छात्रों से कहा कि वे मुझे अपनी डायरियां दें। मैं हर छात्र की डायरी देखना चाहता हूँ लेकिन यह मेरे लिए कठिन है – मेरे पास 47 छात्र हैं, और पाठ्यपुस्तक के हर दूसरे अध्याय में एक लिखने का अभ्यास है। मेरे पास लिखित काम के 47 नमूनों को इतनी बार पढ़ने और ग्रेड करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है! इसलिए मैं हर बार दस अलग छात्रों का काम लेता हूँ ताकि मैं हर छात्र का लिखित काम देख सकूँ।

फिर मैंने दस डायरयों को पढ़ा, और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए, प्रश्नों का उपयोग करके मैंने उन्हें फीडबैक दी:

1. क्या इसे डायरी के रूप में लिखा गया है?
2. क्या यह समझने में स्पष्ट और आसान है?
3. क्या शब्दावली काफी विस्तृत है?
4. क्या इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की गलतियाँ हैं?
5. डायरियों की प्रविष्टियों के बारे में अच्छी बात क्या है?

मैंने प्रत्येक क्षेत्र में टिप्पणियाँ लिखीं और फिर हर प्रश्न के लिए दस में से एक ग्रेड दिया ताकि 50 का योग हो जाए। छात्रों के लिए उनके सीखने में सुधार करने के लिए प्रतिक्रिया का बहुत ज्यादा महत्व होता है, लेकिन मेरे लिए ग्रेड को रिकार्ड करना और जल्दी से अपनी नोटबुक में लिखना आसान था। यहाँ पर वह प्रतिक्रिया है जो मैंने एक छात्र को दी:

1. इसे डायरी के रूप में स्पष्ट तरीके से लिखा गया है। आपने सप्ताह के हर दिन को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया है, और हर रोज जो कुछ हुआ उसके बारे में लिखा है, तथा अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। आपने हर रोज 50-100 के बीच शब्द लिखे हैं। शाबाश। (10/10)
2. डायरी पढ़ने में अधिकतर स्पष्ट और आसान है, लेकिन मैं ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहा हूँ कि मंगलवार को क्या हुआ था। क्या आप इसे अधिक स्पष्ट कर सकते हैं? (7/10)
3. आपने शब्दावली की काफी अच्छी मात्रा का उपयोग किया है, और अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कुछ अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया है। आप 'happy' के लिए कुछ अधिक शब्दों का उपयोग कर सकते थे – उदाहरण के लिए, 'glad', 'pleased' या 'delighted'। अपनी शब्दावली को विकसित करने का प्रयास करें। (6/10)
4. इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की कई गलतियाँ हैं। जो सुधार मैंने किए हैं उन्हें देखें और सही स्पेलिंग की समीक्षा करें। आपको past simple tense बनाने के नियमों की समीक्षा भी करनी चाहिए। यदि आपके पास कोई प्रश्न हैं तो मुझसे पूछें। (5/10)
5. आपने कुछ दिलचस्प घटनाओं के बारे में लिखकर और आपको जो महसूस हुआ उसका वर्णन करके इसे पाठक के लिए रोचक बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैंने आपकी डायरी की गुरुवार की प्रविष्टि का आनन्द लिया। क्या मजेदार कहानी है! (9/10)

संपूर्ण ग्रेड: 37/50 (उत्तम, लेकिन अपनी शब्दावली, व्याकरण और स्पेलिंग पर काम करते रहें।)

जब मैंने दस डायरियों को पढ़कर उन्हें ग्रेड कर लिया, तो मैंने देखा कि अधिकांश छात्रों को past simple और present perfect tenses का सही उपयोग करने में समस्या हुई थी। तब मैंने निश्चय किया कि मैं डायरियों से कुछ उदाहरणों का उपयोग करके अगली कक्षा में इन tenses की समीक्षा करूँगा। यह स्पष्ट है कि इस कक्षा को अपने अनुभवों के बारे में लिखने में अधिक अभ्यास की जरूरत है।

यह गतिविधि अच्छी तरह से संपन्न हुई और छात्रों को अपने काम में मार्गदर्शन के लिए प्रश्न और मेरी प्रतिक्रिया अच्छी लगी। इसने उनकी यह जानने में मदद की कि किस बात पर ध्यान देना है। क्योंकि मेरे लिए हर छात्र को प्रतिक्रिया प्रदान करना कठिन है, जब मैं अगली बार यह काम करूँगा तब मैं छात्रों से एक दूसरे के काम का आकलन करने और एक दूसरे को प्रतिक्रिया देने को कहने का प्रयास कर सकता हूँ।

गतिविधि 5: कक्षा में आजमाएं – अपने छात्रों के लेखन कौशलों का आकलन करना

केस स्टडी 3 में, श्री संपत ने उस लिखित काम का आकलन किया जो उनके छात्रों ने कक्षा में उनके नियमित शिक्षण के हिस्से के रूप में किया था। उन्होंने डायरी की प्रविष्टियों का आकलन किया, लेकिन आप इन्हीं तकनीकों का उपयोग करके किसी भी तरह की लेखन गतिविधि का आकलन कर सकते हैं:

1. अपनी पाठ्यपुस्तक में अगला लेखन अभ्यास खोजें। वैकल्पिक रूप से, आप किसी लेखन गतिविधि का सृजन कर सकते हैं जैसे पाठ्यपुस्तक के किसी विषय के बारे में कुछ अनुच्छेद, कोई पत्र, रिपोर्ट, कहानी, या डायरी, जैसा शिक्षक ने केस स्टडी 3 में किया।
2. चार्ट पेपर या ब्लैकबोर्ड पर वे प्रश्न लिखें जिनका उपयोग आप आकलन के लिए करेंगे, ताकि छात्रों को पता हो कि आप किस बात की ग्रेडिंग करेंगे और लिखते समय किस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है। प्रश्नों पर चर्चा करें ताकि छात्र सजग रहें कि अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें क्या करना है। आप उन्हें कुछ उदाहरण दे सकते हैं। शुरू करने के लिए आप इन प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं:
    a. क्या लिखित कार्य उपयुक्त है? उदाहरण के लिए, यदि आपने छात्र से कहानी लिखने को कहा था, तो क्या उसने कहानी लिखी है? या क्या उन्होंने किसी अलग प्रकार का पाठ, जैसे कोई रिपोर्ट, लिखी है?
    b. क्या लिखित कार्य स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
    c. क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
    d. क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
    e. क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है?
    f. लिखित कार्य के बारे में क्या बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?
3. जब छात्र काम पूरा कर लें, तब उनका काम एकत्र करें। यदि आपकी कक्षा बड़ी है, तो अपने छात्रों के एक समूह का काम लें। यदि आप ऐसा करते हैं। तो सुनिश्चित करें कि आप हर बार अलग छात्रों का चुनाव करें। आप छात्रों से ग्रिड का उपयोग करके एक दूसरे के काम का आकलन करने को भी कह सकते हैं।
4. जब आप उनके काम को ग्रेड करते हैं, तब आसान शब्दों में टिप्पणियाँ शामिल करने का प्रयास करें जिससे छात्र उन्हें समझ सकें और उनका उपयोग वे अपने काम में सुधार करने के लिए कर सकें।
5. अपनी नोटबुक में ग्रेडों को रिकार्ड करें।
6. आकलन ने आपके छात्रों के सीखने के बारे में आपको क्या बताया है? क्या ऐसे कोई क्षेत्र हैं जिनकी दोबारा समीक्षा करने की जरूरत है?

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या प्रश्नों ने आपके छात्रों के काम को ग्रेड करने में आपकी मदद की?
- यदि नहीं, तो आप उनमें परिवर्तन करके उन्हें अधिक उपयोगी कैसे बना सकते हैं?
- क्या छात्रों को फीडबैक को समझना और सुधार के लिए उपयोग में लेना आसान लगा?

- क्या आपके छात्र प्रश्नों का उपयोग करके एक दूसरे के काम का आकलन कर सके?

आपको लग सकता है कि इस गतिविधि में सुझाए गए प्रश्न आपके छात्रों और लेखन कार्य के लिए पूरी तरह से उपयुक्त नहीं हैं। आप प्रश्नों के साथ प्रयोग कर सकते हैं और कुछ को छोड़कर और अन्य प्रश्न जोड़कर उन्हें बदल सकते है। हो सके तो अपने सहकर्मियों, या अपने छात्रों के साथ उपयुक्त प्रश्नों की चर्चा करें।

सुनिश्चित करें कि आपके छात्रों को प्रश्न स्पष्ट हैं और आपके द्वारा दिया गया प्रश्नों पर आधारित फीडबैक सरल और समझने में आसान है। आप इसकी जाँच उन्हें फीडबैक के आधार पर परिवर्तनों को लागू करने का अवसर देकर, और इन परिवर्तनों की जाँच करके कर सकते हैं।

ये प्रश्न छात्रों द्वारा अपने खुद के काम की समीक्षा या आकलन करने, या एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं। इसलिए, आपके लिए अपने छात्रों के काम की जाँच करना और उसे ग्रेड करना हमेशा ही आवश्यक नहीं है, क्योंकि वे स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच कर सकते हैं। (इस विषय में अधिक जानकारी के लिए, इकाई *समग्र कक्षा लेखन दिनचर्याएं* भी देखें।)

5 सारांश

आकलन शिक्षकों और छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है। यह छात्र की प्रगति और कमजोरियों को देखने में शिक्षकों की मदद करता है और यह देखने में भी उनकी मदद कर सकता है कि 'सीखने' में छात्रों की व्यक्तिगत प्रगति में वे कैसे सहायता कर सकते हैं। आकलन छात्रों को अपनी ताकतों और कमजोरियों को समझने में, और यह जानने में भी मदद करता है कि सुधार करने के लिए किस बात पर ध्यान देना है।

आकलन में सत्र या स्कूली वर्ष के अंत में परीक्षाओं का शामिल होना जरूरी नहीं है। इसे स्कूली वर्ष के दौरान कक्षा के नियमित शिक्षण के भाग के रूप में किया जा सकता है, और आप पाठ्यपुस्तक के नियमित पाठों और अभ्यासों, बोलने की गतिविधियों और लिखित काम का आकलन कर सकते हैं।

जब आप कक्षा की नियमित गतिविधियों का अवलोकन और ग्रेडिंग करते हैं, और साथ ही ग्रेडों तथा टिप्पणियों का डायरी में रिकार्ड रखते हैं, तो आप अपनी कक्षा के हर छात्र की प्रगति को समझ सकेंगे। छात्रों के साथ इसे साझा करने से उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि उन्हें कहाँ सुधार करने की जरूरत है। आपके अवलोकन यह देखने में भी आपकी मदद करेंगे कि आप अपने छात्रों के कौशलों का विकास करने और भाषा सीखने में उनकी सहायता करने के लिए अपने शिक्षण को कैसे बदल सकते हैं।

यदि आप भाषा सीखने के आकलन के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

संसाधन

संसाधन 1: बड़ी कक्षाओं में छात्रों का आकलन करना

तालिका R1.1 कुछ नमूना गतिविधियाँ दर्शाती है जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित शिक्षण के दौरान अंग्रेजी का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। तथापि, इसे बड़ी कक्षाओं के साथ करना कठिन हो सकता है, इसलिए यह तालिका कुछ संभव समस्याएं और समाधान प्रस्तुत करती है।

तालिका R1.1 *बड़ी कक्षा में आकलन के लिए, संभव समस्याओं और समाधानों सहित, गतिविधियाँ।*

आकलन के लिए गतिविधि	संभव समस्याएं	संभव समाधान
जब छात्र जोड़ियों में काम करते हैं, जैसे एक दूसरे को वाक्य लिखवाना या रोल प्ले या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधि करना, तब शिक्षक सुनता है, देखता है और नोट्स बनाता है (उदा. उच्चारण के बारे में)।	सभी जोड़ियों को सुनना असंभव है। छात्र ढेर सारी गलतियाँ करते हैं।	हर बार जब भी जोड़ी में कार्य हो तब कुछ जोड़ियों को सुनें, लेकिन हर बार भिन्न छात्रों को सुनें, और हो सके तो नोट्स बनाएं। नोट्स का उपयोग यह समझने के लिए करें कि किस विद्यार्थी को समस्या हो रही है और किसे नहीं।
पाठ को पढ़ने या कोई नया अध्याय शुरू करने से पहले, शिक्षक कक्षा से विषय के बारे में प्रश्न पूछता है (उदा. कोई विवाह जिसमें आप गए थे)। शिक्षक देखता है कि कौन योगदान करता है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा नोट करता है।	वही छात्र हमेशा प्रश्नों का उत्तर देते हैं। किसने क्या कहा है और कही गई हर बात को याद रखना कठिन है।	कुछ ही छात्रों को कक्षा की चर्चा पर हावी न होने दें। हो सके तो नोट्स बनाएं कि कौन नियमित रूप से योगदान करता है और उन छात्रों से पूछने का ध्यान रखें जिन्होंने हाल के पाठों में योगदान नहीं किया है।
छात्र पाठ के प्रति कब अनुक्रिया कर रहे हैं, उदा. बोध प्रश्नों का उत्तर देना। शिक्षक कक्षा में घूमता है और नोट करता है कि प्रश्नों का उत्तर देने में किसे कठिनाई	कक्षा में बहुत सारे छात्र हैं और उन सभी को जाँचने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।	छात्रों से अपनी नोटबुकों की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें, और छात्रों से एक दूसरे के काम को ग्रेड करवाएं। समय-समय पर, अलग-अलग छात्रों की

हो रही है।		नोटबुकें लें और ग्रेड नोट करें।
कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद, शिक्षक जो कुछ पढ़ाया गया है उसके बारे में एक त्वरित, लघु परीक्षा लेता है।	कक्षा के सभी छात्रों की परीक्षाओं को ग्रेड करना कठिन है।	छात्रों से अपनी परीक्षाओं की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें, और छात्रों से एक दूसरे की परीक्षाओं को ग्रेड करवाएं। परीक्षा के पेपर लें और ग्रेड नोट करें।
यदि छात्र कोई शब्दावली लॉगबुक तैयार कर रहे हैं, तो शिक्षक जाँच करने और संभव हो तो ग्रेड करने के लिए पुस्तकें लेता है।	सभी छात्रों की लॉगबुकों की जाँच करना कठिन है।	समय-समय पर, अलग-अलग छात्रों की लॉगबुकें लें और और उन्हें देखें। स्कूली वर्ष के दौरान हर छात्र की पुस्तक को देखने का लक्ष्य रखें।
शिक्षक छात्रों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या समूहों में पूरे किए गए प्रोजेक्ट वर्क को ग्रेड करता है (उदा. किसी विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा का अखबार लिखना या टीवी कार्यक्रम का प्रकरण लिखना)।	सभी छात्रों के प्रॉजेक्ट वर्क को ग्रेड करना असंभव है।	ऊपर देखें। छात्र अपने काम का बोझ कम करने के लिए समूहों में प्रॉजेक्ट वर्क कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, छात्रों से प्रॉजेक्ट वर्क को दीवार पर प्रदर्शित करने को कहें, और जब आपके पास उसे देखने के लिए समय हो तब ग्रेड करें।
जब छात्र कोई सुनने की गतिविधि करते हैं (उदा. निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, प्रश्नों का उत्तर देना, किसी पाठ का सारांश लिखना), तब शिक्षक कमरे में घूमता है और देखता है कि किसे कठिनाई हो रही है। शिक्षक पूरे किए गए काम को ग्रेड करने के लिए लेता है।	सभी छात्रों के काम को जाँचना कठिन है।	हो सके, हर बार जब आप कोई गतिविधि करें तब तो कमरे में घूमें और कुछ अलग छात्रों का अवलोकन करें। जब आपसे संभव हो, तब हर छात्र की प्रगति को समझने के लिए कुछ नोट्स बनाएं। समय-समय पर अलग-अलग छात्रों का काम लें और ग्रेड तथा टिप्पणियाँ नोट करें।

संसाधन 2: प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन करने के दो उद्देश्य हैं:

- **योगात्मक मूल्यांकन** (Summative assessment)ये पहले किये गये कार्यों का मूल्यांकन करता है। ये सामान्यतः परीक्षाओं के रूप में आयोजित किया जाता है। इसमें छात्रों को परीक्षा में प्रश्नों के दिए गए उत्तरों के आधार पर श्रेणीकृत किया जाता है।
- **निर्माणात्मक मूल्यांकन** (या अधिगम का मूल्यांकन) (Formative assessment) काफ़ी अलग है, और अधिक अनौपचारिक तथा निदान के रूप में होता है। शिक्षक उन्हें अधिगम प्रक्रिया के अंग के रूप में उपयोग करते हैं, उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों ने किसी चीज को समझा है या नहीं यह पता लगाने के लिए प्रश्न पूछना फिर इस मूल्यांकन के परिणामों का अगले अधिगम अनुभव को बदलने के लिए उपयोग किया जाता है। अनुश्रवण और फ़ीडबैक निर्माणात्मक मूल्यांकन का हिस्सा है।

निर्माणात्मक मूल्यांकन अधिगम को बढ़ाता है, क्योंकि सीखने के लिए, अधिकांश छात्रों को:

- समझना चाहिए कि उनसे क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है
- जानकारी होनी चाहिए कि अपनी पढ़ाई में वे इस समय किस स्तर पर हैं
- समझना चाहिए कि वे किस प्रकार प्रगति कर सकते हैं (अर्थात क्या पढ़ना चाहिए और कैसे पढ़ना चाहिए)
- जानना चाहिए कि कब उन्होंने लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम हासिल कर लिए हैं।

शिक्षक के रूप में, अगर आप प्रत्येक पाठ में उपर्युक्त चार बिंदुओं पर ध्यान देंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों से सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करेंगे। इस प्रकार पढ़ाने से पहले, पढ़ाते समय और पढ़ाने के बाद मूल्यांकन किया जा सकता है:

- **पहले:** पढ़ाने से पहले मूल्यांकन से आपको यह जानने में मदद मिलती है कि छात्र क्या जानते हैं और पढ़ाने से पहले क्या कर सकते हैं। यह आधार-रेखा निर्धारित करता है और आपको अपनी शिक्षण योजना तैयार करने के लिए प्रारंभिक बिंदु देता है। छात्र क्या जानते हैं इस बारे में अपनी समझ को बढ़ाने से छात्रों को जिस विषय में पहले से ही महारत हासिल है, उसे दुबारा पढ़ाने की और जो वे नहीं जानते हैं किन्तु उन्हें जानना चाहिए, उस विषय को छोड़ देने के अवसर कम होंगे।
- **पढ़ाते समय:** कक्षा में पढ़ाते समय मूल्यांकन करने में यह देखना शामिल है कि क्या छात्र सीख रहे हैं और उनमें सुधार हो रहा है। इससे आपको अपनी शिक्षण पद्धति, संसाधनों और गतिविधियों का समायोजन करने में मदद मिलेगी। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि छात्र वांछित उद्देश्य की दिशा में किस प्रकार प्रगति कर रहा है और आपका शिक्षण कितना सफल है।
- **पढ़ाने के बाद:** शिक्षण के बाद किया जाने वाला मूल्यांकन पुष्टि करता है कि छात्रों ने क्या सीखा है और आपको दर्शाता है कि किसने सीखा है और किसे अभी मदद की ज़रूरत है। इससे आपका शिक्षण लक्ष्य कितना प्रभावपूर्ण रहा, इसका आकलन कर सकेंगे।

पहले: आपके छात्र क्या सीखेंगे इस बारे में स्पष्ट रहना

जब आप तय करते हैं कि छात्रों को पाठ या पाठों की श्रंखला में क्या सीखना चाहिए, तो आपको उसे उनके साथ साझा करना चाहिए। सावधानी से अंतर करें कि छात्रों को आप क्या करने के लिए कह रहे हैं, और छात्रों से क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है। ऐसा प्रश्न पूछिये जिससे कि आपको इस बात का आकलन करने का अवसर प्राप्त हो कि क्या उन्होंने वाक़ई समझा है या नहीं। उदाहरण के लिए:

छात्रों को जवाब देने से पहले सोचने के लिए कुछ सेकंड दें, या शायद छात्रों को पहले जोड़े या छोटे समूहों में अपने जवाब पर चर्चा करने को कहें। जब वे आपको अपना उत्तर बताएँ, आप जान जाएँगे कि क्या वे समझते हैं कि उन्हें क्या सीखना है।

पहले: जानना कि छात्र अपने अधिगम के किस स्तर पर हैं

1. अपने विद्यार्थियों में सुधार लाने के लिए, आपको व आपके विद्यार्थियों को उनकी वर्तमान स्थिति को जानना आवश्यक है।

- छात्रों को जोड़ी में कार्य करने को कहें; जिसमें वे किसी विषय के बारे में, पहले से जो कुछ जानते हैं उनकी सूची बनाएं तथा मानसिक चित्रण करें और उन्हें उसे पूरा करने के लिए पर्याप्त समय दें, लेकिन उन चंद विचारों के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं देना चाहिए। उसके बाद आप उन मानसिक चित्रण या सूचियों की समीक्षा करें।
- महत्वपूर्ण शब्दावली को बोर्ड पर लिखें और प्रत्येक शब्द के बारे में वे क्या जानते हैं, यह बताने के लिए स्वेच्छा से उन्हें आगे आने के लिए कहें। फिर बाक़ी कक्षा से कहें कि यदि वे शब्द समझते हैं, तो अपना अंगूठा थम्ब्स-अप की मुद्रा में ऊपर उठाएँ, यदि वे बहुत कम जानते हैं या बिल्कुल नहीं जानते हैं, तो थम्ब्स-डाउन की मुद्रा में नीचे करें और यदि वे कुछ जानते हैं, तो अंगूठे को क्षैतिज यानी बीच में रखें।

कहाँ से शुरुआत करनी है, यह जानने का मतलब है कि आप अपने छात्रों के लिए प्रासंगिक और रचनात्मक रूप से पाठ की योजना बना सकते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके छात्र यह मूल्यांकन करने में सक्षम हों कि वे कितनी अच्छी तरह सीख रहे हैं, ताकि आप और वे, दोनों जान सकें कि उन्हें आगे क्या सीखने की ज़रूरत है। आपके छात्रों को स्वयं अपने शिक्षण का भार उठाने का अवसर प्रदान करने से उन्हें आजीवन शिक्षार्थी बनाने में मदद मिलेगी।

पढ़ाते समय: शिक्षा में छात्रों की प्रगति सुनिश्चित करना

जब आप छात्रों से उनकी वर्तमान प्रगति के बारे में बात करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें आपका फीडबैक उपयोगी और रचनात्मक, दोनों लगे। निम्नांकित के द्वारा इस काम को करें:

- छात्रों को उनकी ताक़त और यह जानने में मदद करना कि वे कैसे और सुधार कर सकते हैं
- इस बारे में स्पष्ट रहना कि आगे और किस चीज़ के विकास की ज़रूरत है
- इस बारे में सकारात्मक रहना कि वे किस प्रकार अपनी अधिगम का विकास कर सकते हैं, ये जाँचना कि वे आपकी सलाह को समझ रहे हैं तथा उसे उपयोग करने में सक्षम महसूस कर रहे हैं।

आपको छात्रों के लिए उनके अधिगम को बेहतर बनाने के लिए अवसर मुहैया कराने की ज़रूरत पड़ेगी। इसका अर्थ यह हुआ कि पढ़ाई के मामले में छात्रों के वर्तमान स्तर और जहाँ आप उन्हें देखना चाहते हैं, इसके बीच के अंतराल को पाटने के लिए हो सकता है कि आपको अपनी पाठ योजना को संशोधित करना पड़े। ऐसा करने के लिए आपको निम्नवत करना होगा:

- कुछ ऐसे कार्यों पर वापस नज़र दौड़ानी होगी, जिनके बारे में आपने सोचा था कि वे पहले से जानते हैं
- आवश्यकता के अनुसार छात्रों के समूह बनाना, उन्हें अलग-अलग कार्य देना
- छात्रों को स्वयं यह निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना कि उन्हें किन संसाधनों को पढ़ने की ज़रूरत है ताकि वे 'स्वयं अपना अंतराल पाट सकें'

- निम्नतम स्तर से उच्चतम स्तर तक के ऐसे कार्यों का उपयोग करना जिससे सभी छात्र प्रगति कर सकें। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि सभी छात्र काम शुरू कर सकें, लेकिन अधिक समर्थ छात्रों को प्रतिबंधित न किया जाए और वे अपने ज्ञान के विस्तार के लिए प्रगति कर सकें।

पाठों की रफ़्तार को धीमा करके, अक्सर आप पढ़ाई को वास्तव में तेज़ करते हैं, क्योंकि आप छात्रों को यह सोचने और समझने का समय और आत्मविश्वास देते हैं कि उन्हें सुधार लाने के लिए क्या करने की ज़रूरत है। छात्रों को आपस में अपने काम के बारे में बात करने का मौक़ा देकर, और इस बात पर चिंतन करके कि अंतर कहाँ पर है और वे इसे किस प्रकार से ख़त्म कर सकते हैं, आप उन्हें स्वयं का आकलन करने के तरीक़े उपलब्ध करा रहे हैं।

पढ़ाने के बाद: प्रमाण एकत्रित करना और उसकी व्याख्या करना, और आगे की योजना बनाना

जब शिक्षण अधिगम चल रहा हो तब कक्षा-कार्य और गृह-कार्य निर्धारित करने के बाद आप के लिए ज़रूरी है कि:

- इस बात का पता लगाएँ कि आपके छात्र कितनी अच्छी तरह कार्य कर रहे हैं
- इसे अगले पाठ के लिए अपनी योजना बनाने के लिए उपयोग में लाएँ
- छात्रों को फीड बैक दें।

मूल्यांकन की चार प्रमुख स्थितियों की नीचे चर्चा की गई है।

सूचना या प्रमाण एकत्रित करना

प्रत्येक छात्र, स्वयं स्कूल के अंदर और बाहर अलग प्रकार से अपनी गति से और अपनी शैली में सीखता है। इसलिए, छात्रों का मूल्यांकन करते समय आपको दो काम करने होंगे:

- विविध सूत्रों से - स्वयं अपने अनुभव से, स्वयं छात्र से, अन्य छात्रों से, अन्य शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों से जानकारी एकत्रित करें
- छात्रों का व्यक्तिगत रूप से, जोड़ों में और समूहों में मूल्यांकन करें, तथा स्व-मूल्यांकन को बढ़ावा दें। अलग–अलग विधियों का प्रयोग आवश्यक है, क्योंकि कोई भी एक पद्धति आपके वह सभी जानकारी उपलब्ध नहीं कराती, जिसकी आपको ज़रूरत है। छात्रों के सीखने और प्रगति के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के विभिन्न तरीक़ों में शामिल हैं, देखना, सुनना, विषयों और प्रकरणों पर चर्चा करना तथा लिखित कक्षा कार्य और गृह-कार्य की समीक्षा करना।

अभिलेखन

भारत भर के सभी स्कूलों में रिकॉर्डिंग का सबसे आम स्वरूप रिपोर्ट कार्ड के उपयोग के माध्यम से होता है, लेकिन इसमें आपको एक छात्र के सीखने या व्यवहार के सभी पहलुओं को रिकॉर्ड करने की व्यवस्था नहीं होती है। इस काम को करने के कुछ सरल तरीक़े हैं, जिन पर भी आप विचार कर सकते हैं, जैसे कि:

- शिक्षण–अधिगम के समय जो आप देखते हैं उसे डायरी/नोटबुक/रजिस्टर में नोट करना
- छात्रों के कार्य के नमूने (लिखित, कला, शिल्प, परियोजनाएँ, कविताएँ आदि) पोर्टफ़ोलियो में रखना
- प्रत्येक छात्र का प्रोफ़ाइल तैयार करना
- छात्रों की असामान्य घटनाओं, परिवर्तनों, समस्याओं, शक्तियों और शिक्षण प्रमाणों को नोट करना।

प्रमाण की व्याख्या

सूचना और प्रमाण एकत्रित और अभिलिखित हो जाने के बाद, उसकी व्याख्या करना ज़रूरी है, ताकि यह समझा जा सके कि प्रत्येक छात्र किस प्रकार सीख रहा है और प्रगति कर रहा है। इस पर सावधानी से विचार करने और विश्लेषण की आवश्यकता होगी। फिर इन निष्कर्षों के आधार पर काम करते हुए आप विद्यार्थियों को फीडबैक देकर, नए संसाधन खोजकर, समूहों को पुनर्व्यवस्थित कर या किसी अधिगम बिन्दु को दोहराकर अधिगम को बेहतर करने का प्रयास कर सकते हैं।

सुधार के लिए योजना बनाना

मूल्यांकन, ऐसी विशिष्ट और विविध अधिगम गतिविधियों की स्थापना द्वारा प्रत्येक छात्र को सार्थक रूप से सीखने के अवसर प्रदान करने में आपकी सहायता कर सकते हैं जिसमें आप जरूरतमंद विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान देने के साथ–साथ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चुनौतीपूर्ण कार्य के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

संसाधन 3: एन फ्रैंक की डायरी से

an extract from Anne Frank's diary,

Thinking about the text

1. Was Anne right when she said that the world would not be interested in the musings of a thirteen-year-old girl?
2. There are some examples of diary or journal entries in the 'Before You Read' section. Compare these with what Anne writes in her diary. What language was the diary originally written in? In what way is Anne's diary different?
3. Why does Anne need to give a brief sketch about her family? Does she treat 'Kitty' as an insider or an outsider?
4. How does Anne feel about her father, her grandmother, Mrs Kuperus and Mr Keesing? What do these tell you about her?
5. What does Anne write in her first essay?
6. Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?
7. What do these statements tell you about Anne Frank as a person?
    i. 'We don't seem to be able to get any closer, and that's the problem. Maybe it's my fault that we don't confide in each other.'
    ii. 'I don't want to jot down the facts in this diary the way most people would, but I want the diary to be my friend.'
    iii. 'Margot went to Holland in December, and I followed in February, when I was plunked down on the table as a birthday present for Margot.'
    iv. 'If you ask me, there are so many dummies that about a quarter of the class should be kept back, but teachers are the most unpredictable creatures on earth.'
    v. 'Anyone could ramble on and leave big spaces between the words, but the trick was to come up with convincing arguments to prove the necessity of talking.'

Thinking about language

I. Look at the following words.

headmistress   long-awaited   homework   notebook   stiff-backed   outbursts

These words are compound words. They are made up of two or more words. Compound words can be:

- nouns: 'headmistress', 'homework', 'notebook', 'outbursts'
- adjectives: 'long-awaited', 'stiff-backed'
- verbs: 'sleep-walk', 'baby-sit'.

Match the compound words under 'A' with their meanings under 'B'.

Use each in a sentence.

A	B
Heartbreaking	Obeying and respecting the law
Homesick	Think about pleasant things, forgetting about the present
Blockhead	Something produced by a person, machine or organisation
Law-abiding	Producing great sadness
Overdo	An occasion when vehicles/machines stop working
Daydream	An informal word which means a very stupid person

Breakdown	Missing home and family very much
Output	Do something to an excessive degree

II. Phrasal verbs

A phrasal verb is a verb followed by a preposition or an adverb. Its meaning is often different from the meanings of its parts. Compare the meanings of the verbs get on and run away in (a) and (b) below. You can easily guess their meanings in (a) but in (b) they have special meanings.

a. She got on at Agra when the bus stopped for breakfast.
   Dev Anand ran away from home when he was a teenager.
b. She's eager to get on in life. (succeed)
   The visitors ran away with the match. (won easily)

Some phrasal verbs have three parts: a verb followed by an adverb and a preposition.

c. Our car ran out of petrol just outside the city limits.
d. The government wants to reach out to the people with this new campaign.

1. The text you've just read has a number of phrasal verbs commonly used in English. Look up the following in a dictionary for their meanings (under the entry for the italicised word).
   i. plunge (right) in
   ii. kept back
   iii. ramble on
   iv. get along with
2. Now find the sentences in the lesson that have the phrasal verbs given below. Match them with their meanings. (You have already found out the meanings of some of them.) Are their meanings the same as that of their parts? (Note that two parts of a phrasal verb may occur separated in the text.)
   i. plunge in – speak or write without focus
   ii. kept back – stay indoors
   iii. move up – make (them) remain quiet
   iv. ramble on – have a good relationship with
   v. get along with – give an assignment (homework) to a person in authority (the teacher)
   vi. calm down – compensate
   vii. stay in – go straight to the topic
   viii. make up for – go to the next grade
   ix. hand in – not promoted

संसाधन 4: निगरानी करना और फीडबैक देना

छात्रों का प्रदर्शन सुधारने के लिए सतत अनुश्रवण करने और उन्हें उत्तर देने की ज़रुरत होती है, ताकि वे जान सकें कि उनसे क्या अपेक्षाएं हैं। साथ ही काम पूरा करने के बाद उन्हें फीडबैक भी दें। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया से वे अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

निगरानी करना

प्रभावी शिक्षक अधिकतर अपने छात्रों की निगरानी करते हैं। आमतौर पर, ज्यादातर शिक्षक छात्रों की बातें सुनकर और कक्षा में वे क्या कर रहे हैं, इसका अवलोकन करके उनके कार्य की निगरानी करते हैं। छात्रों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें इन कामों में मदद मिलती है:

- ऊंचे ग्रेड हासिल करने में
- अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक सजग बनने और अपने सीखने के बारे में ज्यादा ज़िम्मेदार बनने में
- अपने सीखने में सुधार करने में
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत (Standardised)परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान लगाने में।

एक शिक्षक के रूप में आपको भी यह तय करने में मदद मिलेगी कि:

- कब प्रश्न कब पूछना है या कब उत्साहवर्धन करना है।
- कब प्रशंसा करनी है
- कब चुनौती देनी है
- किसी कार्य में छात्रों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करना है
- गलतियों के लिए क्या करना है।

जब छात्रों को उनकी प्रगति के बारे में एक स्पष्ट और त्वरित फीडबैक दिया जाता है तब उनमें सबसे ज्यादा सुधार होता है। निगरानी रखने से आप नियमित रूप से फीडबैक देने में सक्षम होंगे। इससे आपके बच्चों को यह पता चलेगा कि उनका प्रदर्शन कैसा है और अपने अधिगम को बढ़ाने के लिए उन्हें और क्या करना होगा।

आपको जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, उनमें से एक यह है कि छात्रों की सहायता किस प्रकार की जाए, जिससे वे स्वयं के सीखने के लक्ष्य निर्धारित कर सकें, इस आत्म–अनुश्रवण भी कहा जाता है। बच्चों को, खासतौर पर उन्हें जिन्हें पढ़ने में कठिनाई हो रही हो, अपने सीखने पर स्वयं नियंत्रण रखने की आदत नहीं होती है। लेकिन आप किसी भी छात्र की मदद कर सकते हैं, जिससे वे किसी प्रोजेक्ट के लिए अपने लक्ष्य या ध्येय खुद तय कर सकें, अपने कार्य की योजना बना सके, काम पूरा करने की अंतिम तिथि निर्धारित कर सकें तथा अपनी प्रगति का निरीक्षण खुद कर सकें। इस प्रक्रिया का अभ्यास करने और आत्म निरीक्षण के कौशल में महारत हासिल करने से उन्हें स्कूल के अलावा अपने पूरे जीवन में भी मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांशतः बच्चों को सुनने और उनका अवलोकन करने का काम शिक्षक स्वाभाविक रूप से करते हैं। यह निगरानी करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए आप:

- अपने छात्रों को सस्वर पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों में या समूहकार्य में चर्चाओं को सुन सकते हैं
- कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते समय छात्रों का अवलोकन कर सकते हैं
- जब वे समूह कार्य कर रहे हों, तब उनके हावभाव (body language) का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो अवलोकन एकत्रित करते हैं, वे छात्र के सीखने या प्रगति के वास्तविक प्रमाण हैं। केवल वही लिखें, जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, निर्धारित कर सकते हैं या गिन सकते हैं।

जब छात्र काम कर रहे हों, तब अपनी कक्षा का चक्कर लगाकर संक्षिप्त अवलोकन टिप्पणियाँ लिखें। आप एक कक्षा सूची का उपयोग करके यह दर्ज कर सकते हैं कि किन–किन छात्रों को अधिक मदद की ज़रुरत है और यदि कोई गलतफहमी उभर रही है, तो उसे भी दर्ज कर सकते हैं। आप इन अवलोकनों और टिप्पणियों का उपयोग पूरी कक्षा को फीडबैक देने या समूहों या व्यक्तियों को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहन देने के लिए कर सकते हैं।

फीडबैक देना

फीडबैक वह जानकारी है, जो आप किसी बच्चे को इस बारे में देते हैं कि एक दिये गये लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के सापेक्ष उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है। प्रभावी ढंग से दिए गए फीडबैक से बच्चों को–

- क्या हुआ है इसकी जानकारी मिलती है
- कोई क्रिया या कार्य कितनी अच्छी तरह किया गया इसका मूल्यांकन पता लगता है
- इस बारे में मार्गदर्शन मिलता है कि उनका प्रदर्शन किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक छात्र को फीडबैक देते हैं, तो इससे उन्हें यह जानने में मदद मिलनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सके
- दूसरों की तुलना में उनका काम कैसा है
- वे इसमें सुधार कैसे कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया से छात्रों को मदद मिलती है। आप नहीं चाहेंगे कि आपका फीडबैक अस्पष्ट या पक्षपाती हो, जिसके कारण छात्र सीखना बंद कर दें। प्रभावी फीडबैक होता है।

- केंद्रित उन कामों पर, जो किए जा रहे हैं और इस पर कि छात्र को क्या सीखना होगा
- स्पष्ट और ईमानदार, जो छात्रों को यह बताता है कि उनके सीखने के तरीके में क्या अच्छा है और किस में सुधार ज़रूरी है
- करने योग्य जो छात्रों से कुछ ऐसा करने को कहता है, जिसे वे कर पाने में सक्षम हैं
- इस तरह दिया जाता कि उसकी भाषा उपयुक्त हो, ताकि छात्र उसे समझ सकें
- सही समय पर दिया गया हो – यदि यह बहुत जल्दी दिया जाता है, तो छात्र को लगेगा कि 'मैं तो बस ये करने ही वाला था!'; अगर बहुत देर से दिया जाए तो विद्यार्थियों का ध्यान कहीं और चला गया होगा और वे वापस जाकर फिर से वह नहीं करना चाहेंगे, जो करने को कहा गया था।

फीडबैक चाहे मौखिक हो, या छात्रों की वर्कबुक में लिखकर दिया जाए, यदि इसके लिए निम्नलिखित दिशार्निदेशों का पालन किया जाता है, तो यह अधिक प्रभावी बन जाता है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले बेहतर महसूस करते हैं, जब हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा विशिष्ट और कार्य पर आधारित होनी चाहिए, किसी बच्चे पर आधारित नहीं, अन्यथा इससे बच्चों को प्रगति में मदद नहीं मिलेगी जैसे : 'बहुत बढ़िया' सटीक टिप्पणी नहीं है, इसलिए निम्नलिखित में से कुछ कहना बेहतर होगा:

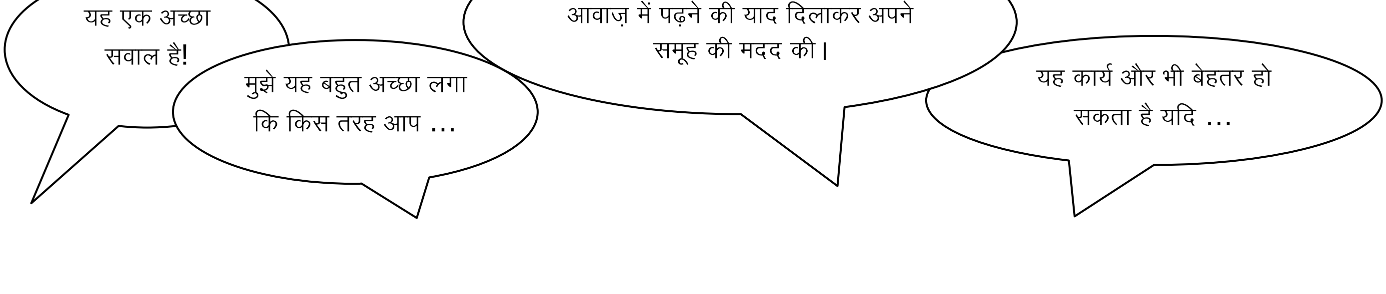

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

आप बच्चों के साथ जो बातचीत करते हैं, उससे उन्हें सीखने में मदद मिलती है। यदि आप उन्हें सिर्फ यह बताते हैं कि कोई उत्तर गलत है और बात वहीं ख़त्म कर देते हैं, तो सोचने और कोशिश करने में उनकी मदद करने का मौका गँवा देंगे। यदि आप बच्चों को कोई संकेत देते हैं और उनसे आगे भी प्रश्न पूछते हैं, तो इससे आप उन्हें ज्यादा गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, साथ ही उन्हें उत्तर ढूँढने तथा खुद के अधिगम की ज़िम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। उदहारण के लिए, आप इस तरह की बातें बोलकर एक बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहन दे सकते हैं या समस्या के किसी अलग पहलू की तरफ संकेत कर सकते हैं:

विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना भी अच्छा तरीका हो सकता है। ऐसा करने के लिए आप बाकी की कक्षा से अपने सवाल पूछने से पहले कुछ इस तरह की टिप्पणियां कर सकते हैं।

'हाँ' या 'नहीं' कहकर छात्रों के उत्तर सुधारना स्पेलिंग या संख्या अभ्यास जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद यहाँ आप छात्रों को उनके उत्तरों में उभरने वाले पैटर्न देखने, उसी तरह के उत्तरों के साथ संबंध जोड़ने या इस बारे में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं कि कोई विशिष्ट उत्तर क्यों गलत है।

अपने काम को खुद सुधारने का या किसी साथी द्वारा सुधार किए जाने का प्रभाव ज्यादा पड़ता है। आप जोड़ियों में काम कर रहे बच्चों को अपना खुद का काम और दूसरों के काम जाँचने को कहकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक बार में एक पहलू को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा है ताकि बहुत ज्यादा जानकारी के कारण भ्रम की स्थिति न उत्पन्न हो जाए।

संसाधन 5: अपने छात्रों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाना

तालिका R5.1 *आपके छात्रों के सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाने के लिए एक भरा गया फार्म (देखें गतिविधि 2/तालिका 3)।*

कक्षा और अध्याय	Class X. Chapter 8: Mijbil the Otter (NCERT Class X textbook: *First Flight*)

सप्ताह	गतिविधि	मैं इस गतिविधि के दौरान छात्रों का आकलन किन तरीकों से करूँगा?	एक प्रतिक्रिया के रूप में मैं अपने अध्यापन को कैसे संशोधित करूँगा?
1	छात्र किताबें बंद रखकर पहला पाठ सुनते हैं। वे पालतू जानवर रखते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातों के नोट्स बनाते हैं। वे अपने नोट्स पर जोड़ियों में चर्चा करते हैं।	सस्वर वाचन करते हुए कमरे में घूमें और कुछ छात्रों को नोट्स बनाते और चर्चा करते समय देखें। डायरी में अवलोकन के बारे में नोट्स दर्ज करें। यदि छात्रों को यह कठिन लगता है, तो पाठ को दो या तीन बार फिर से पढ़ें।	कई छात्रों को पाठ के कुछ शब्द कठिन लगे। इनकी समीक्षा करें। इन शब्दों को बोर्ड पर लिखें और छात्रों से शब्दों का उपयोग करते हुए उनके अपने वाक्य लिखने को कहें।
2	छात्र कहानी के भाग 2 का मौन वाचन करते हैं। वे तीन के समूहों में बोध संबंधी प्रश्नों पर चर्चा करते हैं और उनका उत्तर देते हैं।	जब छात्र बोध प्रश्नों पर चर्चा करें और उनका उत्तर दें तब कमरे में घूमें। कुछ छात्रों के काम को वहीं पर ग्रेड करें, और उन्हें उसके बारे में प्रतिक्रिया दें। ग्रेडों और प्रेक्षणों के बारे में नोट्स डायरी में दर्ज करें।	छात्रों को कहानी का अच्छा ज्ञान है और वे पाठ में सही उत्तर खोज सके। कई विद्यार्थियों को उनके अपने शब्दों में चीजें लिखने में समस्या हुई। छात्रों के आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए अधिक स्वतंत्र लेखन गतिविधियाँ आजमाएं।
3	छात्र कहानी के भाग 3 का मौन वाचन करते हैं। वे अपनी घर की भाषा में वैयक्तिक रूप से सारांश लिखते हैं। गद्यांश पर बाद में पूरी कक्षा के रूप में चर्चा करें।	कई छात्रों से लिखित सारांश देने को कहें। छात्रों की कहानी की समझ के अनुसार सारांशों को ग्रेड करें। ग्रेडों को डायरी में दर्ज करें।	अधिकांश छात्रों ने पाठ को नहीं समझा। अगली कक्षा के लिए कोई अधिक आसान पाठ चुनें – ऐसा कोई जो उनके लिए अधिक दिलचस्प हो सकता है।
4	श्रुतलेख। छात्र कहानी का एक अनुच्छेद सुनते हैं और उसका सारांश बनाते हैं।	छात्र नोटबुकों की अदला-बदली करते हैं और कहानी के मूल अनुच्छेद का उपयोग करते हुए एक दूसरे के श्रुतलेखों को सही करते और ग्रेड देते हैं। जब छात्र ग्रेड दें, तब आसपास घूमें और कुछ ग्रेड देखें (या कुछ नोटबुक एकत्र करें) और डायरी में ग्रेड नोट करें।	छात्रों को इस गतिविधि में मज़ा आया। तथापि, उन्होंने व्याकरण और विराम चिह्नों पर बहुत अधिक ध्यान दिया। मैं चाहती हूँ कि वे एक दूसरे की बात को समझने पर अधिक ध्यान दें। गतिविधि को दोहराएं और उनसे अर्थों पर ध्यान देने को कहें।

अतिरिक्त संसाधन

- The Central Board of Secondary Education's guide to CCE (continuous and comprehensive evaluation): http://www.cbse.nic.in/cce/index.html
- A discussion about assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/assessment
- Ongoing assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/ongoing-assessment-fun-not-fear

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Coombe, C., Folse, K. and Hubley, N. (2007) *A Practical Guide to Assessing English Language Learners*. Ann Arbor, MI: The University of Michigan Press.

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006) *First Flight: Textbook in English for Class X*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 13 October 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (**http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/**) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।